समाचार पत्र

NEWS LETTER

अबुआ खबर
ABUA KHABAR

कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी
दियाँकेल, तोरपा, खूंटी–835227
भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, रांची–झारखण्ड
(An ISO 9001: 2015 Certified)

Vol: 02 | Issue-01 | January to March 2025 | Quarterly e-News Letter

संरक्षक
PATRON
डॉ अभिजीत कर
Dr Abhijit Kar

मुख्य संपादक
Chief Editor
डॉ. दीपक राय
Dr. Deepak Rai
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
Senior Scientist & Head

संपादक मंडल
Editorial Team
डॉ. राजन चौधरी
Dr. Rajan Chaudhari
श्री बृजराज शर्मा
Mr. Brijraj Sharma
डॉ. गव्हाणे किशोर पांडुरंग
Dr. Gavhane Kishor Pandurang
श्री ओम प्रकाश
Shri Om Prakash
डॉ. निखिल राज एम
Dr. Nikhil Raj M
डॉ. प्रदीप कुमार
Dr.. Pardeep Kumar
डॉ. मीर मुनीब रफीक
Dr. Mir Muneeb Rafiq

तकनीकी सहयोग
Technical Support
श्री धर्मेन्द्र सिंह
Mr. Dharmendra Singh
श्री आशुतोष प्रभात
Mr. Ashutosh Prabhat

प्रकाशक
कृषि विज्ञान केंद्र
खूंटी-835227
भाकृअनुप-राकृउप्रसं.
राँची, झारखण्ड

Publisher
KRISHI VIGYAN KENDRA
KHUNTI -835227
ICAR-NISA
Ranchi, Jharkhand
ई-मेल: kvkkhunti@gmail.com
वेबसाइट: https://khunti.kvk4.in

10 फरवरी, 2025

विश्व दलहन दिवस

World Pulses Day

विश्व दलहन दिवस पर पोषण, स्थिरता और खाद्य सुरक्षा के लिए दालों के महत्व पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। इसमें साझेदारों का धन्यवाद करना चाहिए, दालों के लाभों, जैसे कि उनकी किफ़ायती, प्रोटीन से भरपूर और मृदा स्वास्थ्य के लिए जागरूकता बढ़ानी चाहिए और लोगों को अपने आहार में ज़्यादा दालें शामिल करने और स्थानीय किसानों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। 2025 का विषय, "दालें: कृषि-खाद्य प्रणालियों में विविधता लाना", कृषि जैव विविधता और स्वस्थ आहार में उनकी भूमिका पर ज़ोर देता है। विश्व दलहन दिवस का उद्देश्य दालों के पोषण संबंधी और पर्यावरणीय लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और कुपोषण की समस्या का समाधान करना और दालों के उत्पादन और उपभोग में वृद्धि के माध्यम से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना है। यह दिवस स्वस्थ आहार और एक सुदृढ़ खाद्य प्रणाली प्राप्त करने के लिए दालों को एक प्रमुख घटक के रूप में भी महत्व देता है।

World Pulses Day 2025 was celebrated on February 10th with the theme "Pulses: Bringing diversity to agrifood systems" and the slogan "Love pulses for a healthy diet and planet". The day focused on raising awareness of pulses' vital role in sustainable agriculture, nutritional enhancement, and food security through diversity in farming and diets. The United Nations and FAO lead the annual observance to promote pulses' importance in achieving sustainable development goals. The objectives of World Pulses Day are to raise awareness of the nutritional and environmental benefits of pulses, address global food security and malnutrition, and promote sustainable agriculture through increased production and consumption of pulses. The day also emphasizes pulses as a key component for achieving a healthy diet and a resilient food system.

A. अनुकरणीय परीक्षण (ओएफटी) : यह वैज्ञानिकों की देखरेख में, कृषकों की सक्रिय भागीदारी और प्रबंधन के माध्यम से किसानों के खेत पर उनकी कृषि प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में किए गए अनुसंधान का एक तरीका है। इसका मुख्य उद्देश्य वास्तविक उत्पादन स्थितियों में कृषि सम्बंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु नवीन कृषि तकनीकियों का कृषक पद्धति के सापेक्ष मूल्यांकन करना है।

1. सब्जी मटर की उन्नत किस्म का मूल्यांकन :

सब्जी मटर खूंटी जिले की रबी मौसम कि एक प्रमुख फसल है। यहाँ अधिकांश किसान पुरानी किस्म जी.एस-5 का उपयोग करते हैं, जिसका उत्पादन कम होता है। इस समस्या के समाधान के लिए, मटर की नवीन किस्म स्वर्ण सौभाग्य का कृषक प्रक्षेत्र पर परीक्षण किया गया, जिसमें फली की उपज, आर्थिकी और स्थानीय परिस्थितियों की अनुकूलता का मूल्यांकन पुरानी किस्म जी.एस-5 के सापेक्ष किया गया। यह ओएफटी खूंटी जिले के बिरहु, गुफू और बंगनलोया गाँवों में आयोजित किया गया था। परिणाम दर्शाते हैं कि स्वर्ण सौभाग्य की उपज में कृषक पद्धतियों (जी.एस-5) के सापेक्ष 68% अधिक थी। स्वर्ण सौभाग्य में अधिकतम शुद्ध लाभ 119100 रुपये और जी.एस-5 से 20160 रुपये प्रति हेक्टेयर प्राप्त हुआ।

B. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) :

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) के अंतर्गत अलसी की दिव्या किस्म के बीज चयनित किसानों को दिया गया। यह किस्म अपनी अनुकूलनशीलता, शीघ्र पकने और सीमित सिंचाई परिस्थितियों में बेहतर उपज के लिए जानी जाती है, जिससे यह जलवायु-प्रतिरोधी खेती के लिए उपयुक्त है। इसका प्रदर्शन 28 कृषको के प्रक्षेत्र पर 20 हेक्टेयर क्षेत्र में लगाया गया।

C. प्रशिक्षण कार्यक्रम : यह गतिविधि किसानों के ज्ञान संवर्धन और उनकी कृषि सम्बंधित समस्याओं के निदान के लिए आयोजित की गई। इसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, खूँटी ने जनवरी से मार्च 2025 के मध्य 26 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिनमें कुल 772 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। केवीके, खूंटी द्वारा एक 15 दिवसीय (25 फरवरी से 11 मार्च 2025) "कृषि इनपुट विक्रेताओं के ज्ञान संवर्धन और कौशल विकास" विषय पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला सहकारिता विभाग, खूंटी द्वारा प्रायोजित था। इसमें लैम्प्स के अध्यक्ष एवं सचिव प्रतिभागी थे।

A. On Farm Trial (OFT) : This is an approach of adoptive research conducted on farmer's field within their farming system perspective in their active participation and management under supervision of KVK scientists. The objective is to evaluate production practices under realistic growing conditions.

1. Assessment of improved variety of vegetable pea.

Vegetable Pea is a major vegetable crop in Khunti district, covering around 40% of the area during the Rabi season. However, farmers predominantly use older varietie, like GS-5, which results in low productivity. To address this issue, conducting on-farm trials with Pea variety which can help to evaluate and compare their performance in terms of yield attributes, pods yield, economics and adaptability to local conditions. This OFT was conducted in villages Birhu, Ghufu and Banganloya of Khunti district. Result shows that yield of SwarnaSaubhagya was increased 68% of farmer practices (GS-5). Maximum net return was found in SwarnaSaubhagya i.e. 119100 Rs. ha-1 followed by GS-5 (20160 Rs. ha-1)

B. Front Line Demonstrations (FLD):

As part of the Front Line Demonstrations (FLD) initiative, seeds of the Divya variety of linseed were distributed to selected farmers. This variety is known for its adaptability, early maturity, and better yield under limited irrigation conditions, making it suitable for climate-resilient farming. The distributed seeds comprise a total of 28 demonstrations covering an area of 20 ha.

C. Training Programs : This activity was organized to upgrade the knowledge and mitigate the field problems of farmers. KVK, Khunti organized 26 training programs from January to March 2025 where 772 participants were participated.

KVK Khunti also organized 15 days training programe (25 February to 11 March, 2025) on knowledge enhancement and skill development of agriculture input dealers. This programe was sponsored by District Cooperative Department Khunti.

केवीके, खूंटी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

D. अन्य प्रसार गतिविधियाँ : जन जागरूकता हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, खूँटी द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रसार गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसके अंतर्गत 21 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 626 (पुरुष-301 और महिला-325) कृषकों एवं प्रसार कर्मियों ने भाग लिया। जिसका विवरण निवन्वत है:

D. Other Extension Activities : For mass awareness different types of extension activates had conducted by KVK, Khunti. Under which 21 programs were organized where 626 (male-301 & female-325) farmers and extension personnel were participated Details are as follows:

जैविक खेती विषय पर गोष्ठी

वृहद् वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पौधा वितरण

केवीके प्रदर्शनी स्टॉल

कृषक वैज्ञानिक संवाद

अनुसूचित जनजाति उपयोजना अंतर्गत कृषि यंत्रों का वितरण

1. कृषि चौपाल :

कृषि चौपाल, डीडी किसान पर प्रसारित एक सूचनात्मक टेलीविजन कार्यक्रम है, जो भारतीय किसानों की जरूरतों को समर्पित एक सरकारी चैनल है। कृषि चौपाल का मुख्य उद्देश्य खेती के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक और सामयिक जानकारी प्रदान करना है। यह कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों को शामिल करता है। कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों सहित आईसीएआर के विशेषज्ञ सरल और समझने योग्य भाषा में अपना ज्ञान साझा करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लेते हैं। कार्यक्रम की एक अनूठी विशेषता इसका परस्पर संवादात्मक प्रारूप है। किसान प्रश्न पूछ सकते हैं, अपनी चुनौतियों को साझा कर सकते हैं और व्यक्तिगत सलाह प्राप्त कर सकते हैं। यह कार्यक्रम सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानियों पर भी प्रकाश डालता है, जिससे दूसरों को नवीन तरीकों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। जनवरी से मार्च के दौरान, कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के प्रशिक्षण हॉल में कृषि चौपाल के तीन एपिसोड ऑनलाइन किसानों को दिखाया गया । प्रत्येक कार्यक्रम का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

एपिसोड	विषय	दिनांक
दूसरा एपिसोड	जैविक खेती	11 जनवरी , 2025
तीसरा एपिसोड	रबी फसल प्रबंधन	8 मार्च , 2025
चौथा एपिसोड	स्मार्ट कृषि तकनीकों से उपज बढ़ाने का अनूठा फार्मूला	8 फरवरी , 2025

1. Krishi Chaupal :

Krishi Chaupal is an informative television program aired on DD Kisan, a government-run channel dedicated to the needs of Indian farmers. The main objective of Krishi Chaupal is to provide practical and timely information on various aspects of farming. It covers various topics related to agriculture. Experts from ICAR including agricultural universities and research institutions participate in the show to share their knowledge in simple and understandable language. A unique feature of the program is its interactive format. Farmers can ask questions, share their challenges, and get personalized advice. The show also highlights government schemes, subsidies, and success stories of progressive farmers, inspiring others to adopt innovative methods. During January to March, three episodes of Krishi Choupal were streamed online at the training hall of KVK, Khunti. The details of each program are given in following table. These episodes can still be accessed through youtube on DD Kisan channel or by searching on youtube with a keyword of 'Krishi Choupal'

Episode	Subject	Date
2nd episode	Organic Farming	11th January, 2025
3rd episode	Rabi Crop Management	8th February, 2025
4th Episode	Unique formula to increase yield with smart farming techniques	8th March, 2025

2. गणतंत्र दिवस : केवीके, खूंटी के द्वारा 26 जनवरी, 2025 को 76वां गणतंत्र दिवस बड़े गर्व और उत्साह के साथ मनाया, जिसमें 25 पुरुषों और 5 महिलाओं सहित 30 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दीपक राय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान के साथ हुई। अपने संबोधन में, डॉ. राय ने गणतंत्र दिवस के महत्व के बारे में बात की, जो 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान को अपनाने का प्रतीक है , जिसने भारत को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया और सभी से अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में इन आदर्शों को बनाए रखने का आग्रह किया। अन्य केवीके स्टाफ सदस्यों ने भी सार्थक भाषण दिए। उन्होंने संवैधानिक अधिकारों और जिम्मेदारियों के महत्व, विविधता में एकता के मूल्य और शिक्षा और टिकाऊ कृषि के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने की आवश्यकता के बारे में बात की। इस कार्यक्रम में केवीके के कर्मचारी, किसान और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे, जो इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसर को मनाने के लिए एकत्रित हुए।

2. Republic Day : On 26th January, 2025 KVK, Khunti, celebrated 76th Republic Day with great pride and enthusiasm, where 30 people were participated including 25 male and 5 female. The program commenced with the hoisting of the national flag by the Senior Scientist and Head of the KVK, Dr. Deepak Rai followed by the national anthem. In his address, Dr. Rai spoke about the significance of Republic Day, which marks the adoption of the Indian Constitution on 26th January 1950, establishing India as a sovereign, democratic republic. He emphasized the importance of constitutional values like justice, liberty, equality, and fraternity, and urged everyone to uphold these ideals in their personal and professional lives. Other KVK staff members also delivered meaningful speeches. They spoke about the importance of constitutional rights and responsibilities, the value of unity in diversity, and the need to empower rural communities through education and sustainable agriculture. The event witnessed the presence of KVK staff, farmers and local villagers all gathered to mark this important national occasion.

3. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस :

कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के द्वारा 8 मार्च , 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम "महिलाओं के अधिकार, समानता एवं सशक्तिकरण" विषय पर आधारित था। इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, कृषि उद्यमियों और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि ने कौशल विकास, वित्तीय साक्षरता, स्वास्थ्य एवं पोषण, और महिलाओं द्वारा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और उद्यमिता एवं नवाचार के माध्यम से आय-सृजन गतिविधियों का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय स्वयं सहायता समूहों की सफल महिलाओं को कृषि-आधारित उद्यमों में

3. International Women's day

On March 8th, 2025, KVK, Khunti celebrated International Women's Day with the theme "For All Women and Girls: Rights. Equality. Empowerment." The event brought together rural women, SHG members, farm entrepreneurs, and KVK scientists to highlight the critical role of women in agriculture. The Senior Scientist and Head of KVK, Khunti spoke about the critical role women play in agriculture and how empowering them with knowledge, technology, and resources can lead to sustainable rural development. KVK highlighted the importance of skill development, financial literacy, health and nutrition, and the adoption of modern agricultural technologies by women. They encouraged women to become self-reliant and lead income-generating activities through entrepreneurship and innovation. Women achievers

उनकी सफलता के लिए सम्मानित किया गया, जिससे अन्य महिलाओं को भी उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिली। संवादात्मक चर्चाएँ लैंगिक समानता और कृषि में महिलाओं को प्रमुख निर्णयकर्ता के रूप में मान्यता देने के महत्व पर केंद्रित रहीं।

from local SHGs were felicitated for their success in agriculture-based enterprises, inspiring others to follow their path. Interactive discussions focused on gender equality and the importance of recognizing women as key decision-makers in agriculture.

4. **विश्व जल दिवस :** कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के द्वारा 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया गया जिसमें किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, क्योंकि खूंटी जिले में चट्टानी भूभाग के कारण अक्सर पानी की कमी का सामना करता है। केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जल न केवल कृषि में, बल्कि स्थिरता, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केवीके विशेषज्ञ जल संरक्षण तकनीकों, कुशल सिंचाई विधियों, वर्षा जल संचयन और जलग्रहण प्रबंधन पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिए गए। उन्होंने समुदाय-आधारित जल संसाधन नियोजन की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने खूंटी जैसे जल-संकटग्रस्त क्षेत्र में जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में कुल 44 प्रतिभागियों (25 पुरुष एवं19 महिलाएं) ने भाग प्रतिभाग किया।

4. **World Water Day :** On 22nd March, World Water Day was observed at KVK, Khunti with active participation from farmers, women's SHGs, and local community members. The event aimed to raise awareness about the importance of water conservation, especially in the context of Khunti district, which frequently faces water scarcity due to its rocky terrain. The Senior Scientist and Head of KVK emphasized the crucial role water plays not only in agriculture but also in promoting stability, food security, and environmental balance. KVK experts delivered informative talks on water conservation techniques, efficient irrigation methods, rainwater harvesting, and watershed management. They also highlighted the role of community-based water resource planning, especially in tribal and rural areas of Khunti. The experts underscored the urgent need to protect and manage water resources in a water-stressed region like Khunti. The event witnessed a total of 44 participants including 25 males and 19 females.

5. **पीएम-किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त का सीधा प्रसारण :** कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के द्वारा 24 फरवरी 2025 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भागलपुर, बिहार से किया गया, जहाँ से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिक रूप से पीएम किसान योजना की 19 वीं किस्त जारी की थी, यह लघु एवं सीमांत किसान को ₹2,000 की प्रत्यक्ष आय सहायता है। इस कार्यक्रम में प्रसार कर्मियों सहित कुल 163 किसानों ने भाग लिया।

5. **Live telecast of 19th installment of PM Kisan Samman Nidhi :** KVK Khunti organized this event on 20th February, 2025. This event was broadcasted from Bhagarpur, Bihar, where the honorable PM Shri Narendra Modi released 19th installment of PM Kisan Samman Nidhi. A direct income support of Rs. 2000 for small and marginal formers. In this event 163 farmers including extension personal and other were participated.

भाकृअनुप-राकृउप्रसं,रांची द्वारा आयोजित दो दिवसीय (20-21 फरवरी 2025) किसान मेले में प्रतिभाग

आत्मा, खूंटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय (07-08 मार्च 2025) किसान मेला में प्रतिभाग

कृषक प्रक्षेत्र भ्रमण

समाचार पत्रों में केवीके, खूंटी

खूंटी-खलारी भास्कर

ग्रामीणों ने अफीम के पौधे किए नष्ट, 3 घंटे में श्रमदान से बनाए 5 बोरीबांध

बेहतर कृषि कार्य करने वाले किसान सम्मानित

तोरपा. कृषि विज्ञान केंद्र में सोमवार को किसान सम्मान समारोह का आयोजन कर उत्कृष्ट कृषि कार्य करने वाले क्षेत्र के किसानों को सम्मानित किया गया. जिप सदस्य सुशांति कोनगाड़ी, मुखिया शिशिर तोपनो व कृषि विज्ञान केंद्र तोरपा के अध्यक्ष डॉ दीपक राय ने किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. इसके पूर्व डॉ दीपक राय ने कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त का हस्तांतरण सोमवार को भागलपुर, (बिहार) से किया. कृषि विज्ञान केंद्र में इस कार्यक्रम को किसानों ने लाइव देखा. योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि किसानों के बीज, खाद, कृषि उपकरण और अन्य जरूरतों को पूरा करने में सहायक होती है. इसी लिए हमारे केंद्रों ने पिछले वर्षों में किसानों उन्नत बीज के 109 प्रजाति को देश के किसानों को समर्पित किया. कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश कांटवा, डॉ निखिल राज एम, डॉ किशोर गव्हाने, डॉ मीर मुनिव रफीक, डॉ बृजराज शर्मा, आशुतोष प्रभात, धर्मेंद्र सिंह के साथ 170 से ज्यादा लोग उपस्थित रहे.

पीएम किसान निधि सम्मान कार्यक्रम का हुआ प्रसारण

भास्कर न्यूज | तोरपा

किसान सम्मान समारोह का प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र खूंटी में किया गया। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. दीपक राय ने जन प्रतिनिधि का स्वागत किया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के तहत 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को 22,000 हजार करोड रुपए से अधिक की धनराशि संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आलू फसल के बाद खाली खेत में कर सकते हैं मूंग की खेती

खूंटी जिले के तापमान में आने वाले दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के साथ आसमान में हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। यह जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष व वैज्ञानिक दीपक राय ने दी।

दीपक राय अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र खूंटी।

उन्होंने बताया कि आलू की फसल के बाद खेत खाली होने पर, जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सीमित सुविधा उपलब्ध हो, वे मूंग की खेती करें। अगर सिंचाई की असीमित सुविधा उपलब्ध हो तो ग्रीष्मकालीन सब्जियां जैसे फूलगोभी, बंधगोभी, टमाटर, बैंगन, मिर्च और लता वाली सब्जियां जैसे कद्दू, खीरा, ककड़ी, तरबूज आदि की खेती करें। भिंडी और बैंगन की फसल को बेधक कीटों से बचाने के लिए 10 फेरोमैन ट्रेप प्रति एकड़ लगाएं। कीट ग्रस्त पौधे के ऊपरी मुरझाए हिस्से को तोड़कर नष्ट कर दें। आम के पौधे में मिली बा कीट की रोकथाम करें, दिन का तापमान ज्यादा होने से बा का प्रकोप बढ़ जाता है।

आम के पेड़ में मंजर आने लगे हैं। मंजर देखकर किसानों के चेहरे खिल गए हैं। आम के पेड़ में मंजर लगने के साथ ही कीट-रोगों का प्रकोप भी बढ़ जाता है। अब समय आ गया है कि आम के मंजरों की देखभाल

सफलता की कहानी - किसान की जुबानी

Name : Mr. Jot Ram
Village : Selda
Block : Murhu
District : Khunti

श्री जोत राम बहुत ईमानदार और मेहनती हैं। खेती उनकी आजीविका का आधार है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत केवीके ने खूंटी जिले के विभिन्न गांवों में सरसों की फसल (किस्म-डीआरएमआर 150-35) का प्रदर्शन किया। जिसमें से कुछ प्रदर्शन सेल्दा गांव में आयोजित किए गए। जहां श्री धनवार की फसल का प्रदर्शन अच्छा रहा। प्रदर्शन के तहत प्राप्त उपज 8.1 क्विंटल/हेक्टेयर थी, जो किसान की पिछली अभ्यास उपज 6.4 क्विंटल/हेक्टेयर दोनों से अधिक थी। आर्थिक विश्लेषण से पता चला कि प्रदर्शन से 48,195 रुपये/हेक्टेयर की सकल आय और 29,695 रुपये/हेक्टेयर की शुद्ध आय हुई, जिसमें बी:सी अनुपात 2.61 था, जबकि किसान की पारंपरिक प्रथा से केवल 20,580 रुपये/हेक्टेयर की शुद्ध आय और बी:सी अनुपात 2.18 था। कुल मिलाकर, हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप उपज में 26.6% की वृद्धि, शुद्ध आय में 44.3% की वृद्धि, तथा संसाधन-उपयोग दक्षता में सुधार हुआ। श्री जोत राम ने महसूस किया कि वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के साथ-साथ उन्नत किस्मों के उपयोग से सरसों का उत्पादन काफी बढ़ सकता है और खूंटी जिले में किसानों की आय में सुधार हो सकता है।

Mr Jot Ram is very sincere and hard working. Farming is base of his livelihood. Under national food security mission KVK conducted demonstration of mustard crop (variety-DRMR 150-35) in different villages of Khunti district. Out of which some demonstrations were conducted at Selda village. Where Mr Jot Ram crop performance was good. The yield obtained under the demonstration was 8.1 q/ha, which was higher than both the farmer's previous practice yield of 6.4 q/ha. Economic analysis revealed that the demonstration generated a gross income of ₹48,195/ha and net income of ₹29,695/ha, with B:C ratio of 2.61, compared to the farmer's traditional practice that provided a net income of only ₹20,580/ha and a B:C ratio of 2.18. Overall, the intervention resulted in a 26.6% increase in yield, 44.3% increase in net income, and improved resource-use efficiency. Mr Jot Ram realised that use of improved varieties along with scientific agronomic practices can significantly enhance mustard production and improve farmers' income in Khunti district.